

संख्या:-१४१ /XIV-1/10-5(13)/2011

प्रेषक,

अजय सिंह नबियाल,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निबन्धक,  
सहकारी समितियाँ,  
उत्तराखण्ड।

सहकारिता, गन्ना एवं चीनी अनुभाग:-1

देहरादून दिनांक ०३ जून, 2011

विषय:- वर्ष 2011-12 में अटल आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत नये मिनी बैंक  
(एस0सी0एस0पी0) स्थापित किये जाने हेतु स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:-359/नियो0/अटल आदर्श ग्राम/2011-12 दिनांक 25 अप्रैल, 2011 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्रामों में मिनी बैंक स्थापित किये जाने हेतु अटल आदर्श ग्राम योजना हेतु वित्तीय सहायता के अन्तर्गत ₹ 43,70,000/- (रुपये तैतालीस लाख सत्तर हजार मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखने के लिये श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(1) संगत विवरण उपलब्ध कराकर धनराशि व्यय करने से पूर्व स्वीकृति पृथक से प्राप्त की जायेगी। उक्त धनराशि का उपयोग निर्धारित कार्ययोजना तथा वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-209/xxvii (1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 में उल्लिखित शर्तों/विवरण तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार ही किया जायेगा।

(2) स्वीकृत धनराशि के आहरण की सूचना से महालेखाकार (लेखा) कार्यालय, उत्तराखण्ड को शासनादेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम व बाउचर संख्या लेखाशीर्षक तथा आहरण की तिथि सहित सूचित करने का उत्तरदायित्व निबन्धक, सहकारी समितियाँ, उत्तराखण्ड का होगा।

(3) इस शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन निबन्धक द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

(4) उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि उक्त धनराशि केवल इसी योजना के अन्तर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा चिन्हित अनुसूचित जाति बाहुल्य असेवित अटल आदर्श ग्रामों में नियमानुसार मिनी बैंक स्थापित किये जाने हेतु व्यय की जायेगी तथा किसी ऐसे मद पर धनराशि व्यय न की जाय, जो योजना में अनुमन्य/स्वीकृत नहीं है।

(5) स्वीकृत धनराशि का उपयोग निश्चित रूप से उन्हीं मदों पर किया जाए, जिसके लिये स्वीकृत की जा रही है। यदि उसका उपयोग अन्यत्र अथवा किसी अन्य मद में किया जाता है तो सम्बन्धित अधिकारी इसके लिये व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे तथा उनके अनुशासनिक कार्यवाही करते हुये अप्राधिकृत व्यय की वसूली की जायेगी।

(6) उक्त स्वीकृत धनराशि का योजनावार व्यय विवरण प्रत्येक माह या उसके अगले माह की 5 तारीख तक बी0एम0-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग/शासन तथा महालेखाकार कार्यालय को भिजवाना सुनिश्चित करेंगे।

(7) सक्षम अनुमोदन प्राप्त कर धनराशि का व्यय शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/निर्देशों के अनुसार किया जायेगा, तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त धनराशि किसी ऐसे कार्य/मद पर व्यय न की जाय, जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन/समक्ष अधिकारी की पूर्व स्वीकृति अपेक्षित है। वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित सुसंगत नियमों का अनुपालन किया जाय।

(8) सक्षम अनुमोदन प्राप्त कर धनराशि कर योजना का निर्धारित वार्षिक लक्ष्य के अनुसार व्यय सुनिश्चित कर उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराया जाय तथा अवशेष धनराशि वर्षान्त में शासन को समर्पित की जाय।

2. उक्त स्वीकृत धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या:-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2425-सहकारिता-आयोजनागत-00-800-अन्य व्यय 07-अटल आदर्श ग्राम योजना हेतु वित्तीय सहायता-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश कि विभाग के शासनादेश संख्या-209/XXVII (1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 में दिये गये निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अजय सिंह नबियाल)  
सचिव।

संख्या:-१४१ (1)/XIV-1/2011, तददिनांक

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी ओबराय बिल्डिंग, माजरा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. आयुक्त, कुमायूँ मण्डल/गढ़वाल मण्डल, उत्तराखण्ड।
3. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग/समाज कल्याण विभाग/ग्राम्य विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, अल्मोडा।
6. सम्बन्धित जिला सहायक निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
8. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
9. प्रभारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल हेतु।

आज्ञा से,

(वीरेंद्र पाल सिंह)  
उपसचिव।